सांध्य ज्योति दर्पण

www.sandhyajyotidarpan.com

वर्ष 37 | अंक 54 | जयपुर, गुरुवार, 26 दिसंबर, 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 मूल्य: 2रु.

पेज-5 भारतीय खिलाड़ियों के लिए...

ठंड में सुबह उठने पर होता है... पेज-6

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

पंडित मालवीय के विचारों को जीवंत करने की जरूरतः प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मनाई गई भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय की जयन्ती

वडोदरा, 26 दिसंबर (एजेंसी)। भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने एक महान समाज सुधारक एवं आदर्श कुलपति के तौर पर सदैव छात्र छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते थे। वे छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते थे। उनका चिंतन एवं दर्शन सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने सदैव चरित्र निर्माण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय के निर्माण करने पर जोर दिया। ये कहना था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलाधिपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का। वे बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान और महामना मालवीय मिशन, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महामना पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मालवीय के विचारों को जीवंत करने की जरूरत है। उन्होंने मालवीय के कुलपति कार्यकाल से जुड़े कई संस्मरण बताए। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षण संस्थाओं का केवल अकादमिक दायित्व ही नहीं है बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक दायित्व भी है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे एवं मालवीय मिशन गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी प्रो. संजय झा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि मालवीय जी की हर क्षेत्र में उत्कृष्टता रही है। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था से हमारी संस्कृति दूषित हुई लेकिन मालवीय जी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना कर भारतीय मूल्यों को जीवंत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महामना की परिकल्पना थी कि छात्र छात्राओं में भारतीयता के प्रति आकर्षण होना चाहिए। इस मौके पर महामना मालवीय मिशन, गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मिशन की गुजरात इकाई के विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 2 वर्षों में मिशन ने मालवीय जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एप्लाइड मटेरियल साइंसेज के डीन प्रो. [illegible] अरोरा की 11वीं पुस्तक 'एम हेटेरोसाइकल्स'

દિવ્ય ભાસ્કર

સાચી વાત બેધડક

કુલ પાનાં : 24 (સિટી ભાસ્કર + નવરંગ) કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 22, અંક 214, મહાનગર

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

સેન્ટ્રલ યુનિ. ખાતે ભારતરત્ન મદન મોહન માલવિયાની જન્મ જયંતીની ઉજવણી કરાઇ

ગાંધીનગર ભારત રત્ન પંડિત મદન મોહન માલવિયા જે સમાજ સુધારક અને આદર્શ વાઇસ ચાન્સેલર તરીકે હંમેશા વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગ વિકાસને મહત્વ આપ્યા છે. વધુમાં ચારિત્રય નિર્માણથી ભરપૂર યુનિવર્સિટી બનાવવા ઉપર પણ વિશેષ ભાર મુકવામાં આવ્યો હતો. વધુમાં યુનિવર્સિટી ગ્રાન્ટ કમિશનના પૂર્વ અધ્યક્ષ અને ટાટા ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ સોશિયલ સાયન્સના ચાન્સેલર પ્રો.ધીરેન્દ્ર પાલસિંહએ પણ ચારિત્રય નિર્માણથી ભરપૂર યુનિવર્સિટી અંગેની વાત કરી હતી. ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના શિક્ષણ સંસ્થાન અને માલવિયા મિશન, ગુજરાતના સંયુક્ત ઉપક્રમે મદનમોહન માલવિયાની જન્મજયંતિની ઉજવણી કરાઈ હતી. આ પ્રસંગે યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો.રમાશંકર દુબે અને માલવિયા મિશન ગુજરાતના પ્રમુખ રણજીતકુમાર ઝા, મુખ્ય અતિથિ પદે પ્રો.ધીરેન્દ્ર પાલસિંહ તેમજ યુનિવર્સિટીના ફાઇનાન્સ ઓફિસર પ્રો.સંજય ઝા સહિત ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ
Ahmedabad Express
Ahmedabad
RNI No.GUJGUJ/2011/40654

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં ભારત રત્ન પં. મદન મોહન માલવિયાની જન્મજયંતિની ઉજવણી કરવામાં આવી

ગાંધીનગર સંવાદદાતા : વિજયવીર યાદવ

ભારત રત્ન મહામના પં. મદન મોહન માલવીય, એક મહાન સમાજ સુધારક અને આદર્શ વાઈસ ચાન્સેલર તરીકે, હંમેશા વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વિકાસને મહત્વ આપે છે. તેમણે વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વિકાસ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે હંમેશા ચારિત્ર્ય નિર્માણથી ભરપૂર યુનિવર્સિટી બનાવવા પર ભાર મૂક્યો હતો. આ વાત યુનિવર્સિટી ગ્રાન્ટ્સ કમિશનના ભૂતપૂર્વ અધ્યક્ષ અને ટાટા ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ સોશિયલ સાયન્સના ચાન્સેલર પ્રો. ધીરેન્દ્ર પાલ સિંહજીએ કરી હતી. તેઓ બુધવારે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના શિક્ષણ સંસ્થાન અને મહામના માલવિયા મિશન, ગુજરાતના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત મહામના પંડિત મદનમોહન માલવિયાની જન્મજયંતિની ઉજવણીમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કરી રહ્યા હતા. કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટ્યથી કરવામાં આવી હતી. તેમણે કહ્યું કે વર્તમાન સમયમાં માલવીયજીના વિચારોને જીવંત કરવાની જરૂર છે. તેમણે માલવિયા જીના વાઈસ ચાન્સેલર તરીકેના કાર્યકાળ સાથે જોડાયેલા ઘણા સંસ્મરણો વિશે જણાવ્યું. તેમણે કહ્યું કે વર્તમાન યુગમાં શૈક્ષણિક સંસ્થાઓની માત્ર શૈક્ષણિક જવાબદારીઓ જ નથી પરંતુ સામાજિક, રાષ્ટ્રીય અને વૈશ્વિક જવાબદારીઓ પણ છે. આ દરમિયાન યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબે અને માલવિયા મિશન ગુજરાતના પ્રમુખ રણજીતકુમાર ઝા, મુખ્ય અતિથિ પ્રો. ધીરેન્દ્ર પાલ સિંહનું સ્વાગત કર્યું હતું. યુનિવર્સિટીના ફાયનાન્સ ઓફિસર પ્રો. સંજય ઝાએ સ્વાગત પ્રવચન કર્યું હતું. આ દરમિયાન કાર્યક્રમની અધ્યક્ષતામાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે માલવીયજીએ દરેક ક્ષેત્રમાં શ્રેષ્ઠ પ્રદર્શન કર્યું છે.

DAILY FROM: AHMEDABAD, CHANDIGARH, DELHI, JAIPUR, KOLKATA, LUCKNOW, MUMBAI, NAGPUR, PUNE, VADODARA

The Indian EXPRESS

JOURNALISM OF COURAGE

SINCE 1932

THURSDAY, DECEMBER 26, 2024, AHMEDABAD, LATE CITY, 16 PAGES

₹5.00 WWW.INDIANEXPRESS.COM

Need to revive thoughts of Pandit Madan Mohan Malviya: TISS Chancellor

Ahmedabad: There is a need to bring freedom fighter and educationist Pandit Madan Mohan Malviya's thoughts to life in the present time, said former University Grants Commission (UGC) Chairman and Tata Institute of Social Sciences (TISS) Chancellor Professor Dhirendra Pal Singh on Wednesday.

Singh was addressing an event held to mark the birth anniversary of Pandit Madan Mohan Malviya at the Central University of Gujarat.

"Bharat Ratna Pandit Madan Mohan Malviya, a great social reformer and ideal vice-chancellor, always emphasised on the holistic development of students. He stressed the comprehensive development of students, and his thoughts and philosophy remain relevant even today," he said.

"He advocated setting up universities which focused on character building," Professor SIngh said. ENS

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

पंडित मदन मोहन मालवीय के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता : प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

■ *संजीवनी टुडे*

वडोदरा। भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने एक महान समाज सुधारक एव आदर्श कुलपति के तौर पर सदैव छात्र-छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते थे। वे छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते थे। उनका चिंतन एवं दर्शन सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने सदैव चरित्र निर्माण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय के निर्माण करने पर जोर दिया। ये कहना था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलाधिपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह। वे बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान और महामना मालवीय मिशन, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महामना पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मालवीय जी के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता है। उन्होंने मालवीय के कुलपति कार्यकाल से जुड़े कई संस्मरणों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षण संस्थाओं का केवल अकादमिक दायित्व ही नहीं है बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक दायित्व भी है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे एवं मालवीय मिशन गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी प्रो. संजय झा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

महामना की परिकल्पना पर आगे बढ़ना होगा

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि मालवीय की हर क्षेत्र में उत्कृष्टता रही है। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था से हमारी संस्कृति दूषित हुई लेकिन मालवीय जी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना कर भारतीय मूल्यों को जीवंत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महामना की परिकल्पना थी कि छात्र-छात्राओं में भारतीयता के प्रति आकर्षण होना चाहिए। इस मौके पर महामना मालवीय मिशन, गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मिशन की गुजरात इकाई के विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 2 वर्षों में मिशन ने मालवीय जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एप्लाइड मटेरियल साइंसेज के डीन प्रो. केशव अमेटा की 11वीं पुस्तक 'एस हेटेरोसाइकल्स' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संयोजक डॉ. जयप्रकाश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापित अन्य संयोजक डॉ. सोनल शर्मा ने किया।

पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

अहमदाबाद, गुरुवार, 26 दिसंबर, 2024 | पौष कृष्ण पक्ष एकादशी, संवत् 2081

पत्रिका

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मनाई जयंती

पंडित मदन मोहन मालवीय के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता : प्रो. सिंह

वडोदरा @ पत्रिका. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलाधिपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता है। वे बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान और महामना मालवीय मिशन, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत रत्न पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने कहा कि भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय एक महान समाज सुधारक एवं आदर्श कुलपति के तौर पर सदैव छात्र छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते थे। वे छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते थे. उनका चिंतन एवं दर्शन सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने सदैव चरित्र निर्माण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय के निर्माण करने पर जोर दिया।

डॉ. डॉ. सिंह ने मालवीय के कुलपति कार्यकाल से जुड़े कई संस्मरणों के बारे में जानकारी दी।

महामना की परिकल्पना पर आगे बढ़ना होगा : प्रो. दूबे

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि मालवीय की हर क्षेत्र में उत्कृष्टता रही है। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था से हमारी संस्कृति दुषित हुई लेकिन, मालवीय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना कर भारतीय मूल्यों को जीवंत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महामना की परिकल्पना थी कि छात्र-छात्राओं में भारतीयता के प्रति आकर्षण होना चाहिए।इस मौके पर महामना मालवीय मिशन, गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मिशन की गुजरात इकाई के विस्तार के बारे मे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 2 वर्षों मे मिशन ने मालवीय की विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षण संस्थाओं का केवल अकादमिक दायित्व ही नहीं है बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक दायित्व भी है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे एवं मालवीय मिशन गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी प्रो. संजय झा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर स्कूल ऑफ एप्लाइड मटेरियल साइंसेज के डीन प्रो. केशव अमेटा की 11वीं पुस्तक 'एम हेटेरोसाइकल्स' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. जयप्रकाश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ. सोनल शर्मा ने किया।

विश्वास आपका... साथ हमारा...

समाचार जगत

गुरुवार

...@cug.ac.in
...संपर्क अधिकारी
...elations Officer
...विश्वविद्यालय
...University of Gujarat

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मनाई गई भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय की जयन्ती

पंडित मदन मोहन मालवीय के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता : प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

वडोदरा, समाचार जगत ब्यूरो. भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने एक महान समाज सुधारक एवं आदर्श कुलपति के तौर पर सदैव छात्र-छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते थे। वे छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते थे। उनका चिंतन एवं दर्शन सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने सदैव चरित्र निर्माण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय के निर्माण करने पर जोर दिया। ये कहना था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलाधिपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह।

वे बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान और महामना मालवीय मिशन, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महामना पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मालवीय जी के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता है। उन्होंने मालवीय जी के कुलपति कार्यकाल से जुड़े कई संस्मरणों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षण संस्थाओं का केवल अकादमिक दायित्व ही नहीं है बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक दायित्व भी है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे एवं मालवीय मिशन गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का स्वागत किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी प्रो. संजय झा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

महामना की परिकल्पना पर आगे बढ़ना होगा : इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि मालवीय जी की हर क्षेत्र में उत्कृष्टता रही है। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था से हमारी संस्कृति दूषित हुई लेकिन मालवीय जी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना कर भारतीय मूल्यों को जीवंत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महामना की परिकल्पना थी कि छात्र-छात्राओं में भारतीयता के प्रति आकर्षण होना चाहिए। इस मौके पर महामना मालवीय मिशन, गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मिशन की गुजरात इकाई के विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 2 वर्षों में मिशन ने मालवीय जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एप्लाइड मटीरियल साइंसेज के डीन प्रो. केशव अमेटा की 11वीं पुस्तक 'एस हेटेरोसाइकल्स' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संयोजक डॉ. जयप्रकाश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापित अन्य संयोजक डॉ. सोनल शर्मा ने किया।

संस्थापक संपादक विश्वदेव शर्मा
MERRY CHRISTMAS
गुजरात वैभव
सन 1992
अहमदाबाद गुरुवार, 26 दिसंबर, 2024 वर्ष 33, अंक 42, पृष्ठ-12
मूल्य-रु 3/-
Registration No. 54924/92
gujaratvaibhav.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

पंडित मदन मोहन मालवीय के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता : प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

वडोदरा। भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने एक महान समाज सुधारक एवं आदर्श कुलपति के तौर पर सदैव छात्र-छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते थे। वे छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते थे। उनका चिंतन एवं दर्शन सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने सदैव चरित्र निर्माण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय के निर्माण करने पर जोर दिया। ये कहना था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलाधिपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह। वे बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान और महामना मालवीय मिशन, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महामना पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मालवीय जी के विचारों को जीवंत करने की आवश्यकता है। उन्होंने मालवीय जी के कुलपति कार्यकाल से जुड़े कई संस्मरणों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षण संस्थाओं का केवल अकादमिक दायित्व ही नहीं है बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक दायित्व भी है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे एवं मालवीय मिशन गुजरात के अध्यक्ष रंजीत कुमार झा ने मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह का स्वागत किया।

ગાંધીનગરથી દર શુક્રવારે પ્રસિદ્ધ થતું સાપ્તાહિક

હસ્તી

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ભારતીય ભાષાઓની રાષ્ટ્રીય કવિતાઓનું સંકલન હોવું જોઈએ - પ્રો. દુબે

વડોદરા

સુબ્રમણ્ય ભારતીની જયંતિ નિમિત્તે ગુજરાત કેન્દ્રિય યુનિવર્સિટીમાં ભારતીય ભાષા ઉત્સવનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. કાર્યક્રમનું ઉદ્ઘાટન યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે, ડૉ. માણિક મૃગેશ, પ્રો. સંજીવકુમાર દુબે, ડૉ. લવિન્દ્રસિંહ લબાના અને ડૉ. મિનેશ ડામોરે દીપ પ્રજ્વલિત કરીને કર્યું. યુનિવર્સિટીના હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો. સંજીવકુમાર દુબેએ તેમના સ્વાગત ભાષણમાં સુબ્રમણ્ય ભારતીના સ્વતંત્રતા આંદોલનના ગરમ દળના નેતાઓ સાથેના વિચારોના જોડાણની ચર્ચા કરી અને તેમની જયંતિ પર ભારતીય ભાષા ઉત્સવ ઉજવવાની પ્રાસંગિકતા પર વિચાર વ્યક્ત કર્યા. મુખ્ય અતિથિ માણિક મૃગેશે ભારતીય ભાષાઓના પરસ્પર સંબંધો અને શબ્દોના આદાન-પ્રદાન પર ચર્ચા કરી. અધ્યક્ષીય ઉદ્બોધનમાં કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ ભારતીય ભાષાઓના સંબંધને રાષ્ટ્રીય એકતાની મજબૂત કડી ગણાવી. તેમણે ભારતીય ભાષાઓને શિક્ષણનું માધ્યમ બનાવવા માટેના પ્રયાસોની ચર્ચા કરી અને તમામ ભારતીય ભાષાઓની રાષ્ટ્રીય કવિતાઓના સંકલનનું સૂચન કર્યું. ભારતીય ભાષા ઉત્સવના અંતર્ગત આયોજિત નિબંધ અને વકતૃત્વ સ્પર્ધાના ભાગ લેનાર વિદ્યાર્થીઓને પ્રોત્સાહન પુરસ્કાર આપવામાં આવ્યા. કાર્યક્રમનું સંચાલન ડૉ. લવિન્દ્રસિંહ લબાનાએ કર્યું અને ડૉ. મિનેશ ડામોરે આભાર વ્યક્ત કર્યો. વિવિધ ભાષા બોલતા વિદ્યાર્થીઓની સક્રિય ભાગીદારીથી કાર્યક્રમ સફળ બન્યો.

पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

अहमदाबाद, शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024 | मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, संवत् 2081

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में सुब्रह्मण्य भारती की जयंती मनाई

भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं का संकलन हो : प्रो.दूबे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वडोदरा.सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे के साथ डॉ. माणिक मृगेश, प्रो. संजीव कुमार दुबे, डॉ. लविंद्र सिंह लबाना एवं डॉ. मिनेश डामोर ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने स्वागत वक्तव्य में सुब्रह्मण्य भारती के तत्कालीन स्वाधीनता आंदोलन के गरम दल के नेताओं से वैचारिक जुड़ाव की चर्चा की। साथ ही उनकी जयंती पर भारतीय भाषा उत्सव मनाए जाने की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि डॉ. माणिक मृगेश ने भारतीय भाषाओं के पारस्परिक संबंधों और शब्दों के आदान-प्रदान पर चर्चा की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने भारतीय भाषाओं के संबंध को राष्ट्रीय एकता की मजबूत कड़ी कहा। उन्होंने भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने के प्रयासों की चर्चा की तथा सभी भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं के संकलन का सुझाव दिया। भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लविंद्र सिंह लबाना ने एवं आभार डॉ. मिनेश डामोर ने व्यक्त किया। अलग-अलग भाषा भाषी विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

दैनिक
संजीवनी टुडे

भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं का संकलन हो: प्रो.दूबे

■ *संजीवनी टुडे*

वडोदरा। सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे, डॉ. माणिक मृगेश, प्रो. संजीव कुमार दुबे, डॉ. लविंद्र सिंह लबान एवं डॉ. मिनेश डामोर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने अपने स्वागत वक्तव्य में सुब्रह्मण्य भारती के तत्कालीन स्वाधीनता आंदोलन के गरम दल के नेताओं से वैचारिक जुड़ाव की चर्चा की तथा उनकी जयंती पर भारतीय भाषा उत्सव मनाए जाने की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि माणिक मृगेश ने भारतीय भाषाओं के पारंस्परिक संबंधों और शब्दों के आदान-प्रदान पर चर्चा की। अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने भारतीय

भाषाओं के संबंध को राष्ट्रीय एकता की मज़बूत कड़ी कहा। उन्होंने भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने के प्रयासों की चर्चा की तथा सभी भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं के संकलन का सुझाव दिया। भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लविंद्र सिंह लबाना ने एवं आभार डॉ मिनेश डामोर ने व्यक्त किया। अलग-अलग भाषा भाषी विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

...c@cug.ac.in
...संपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
...त केन्द्रीय विश्वविद्यालय
...ntral University of Gujarat

▪ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं का संकलन हो - प्रो. दूबे

बिज़नेस रेमेडीज/वडोदरा।

सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे, डॉ. माणिक मृगेश, प्रो. संजीव कुमार दुबे, डॉ. लविंद्र सिंह लबान एवं डॉ. मिनेश डामोर ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार दुबे ने अपने स्वागत वक्तव्य में सुब्रह्मण्य भारती के तत्कालीन स्वाधीनता आंदोलन के गरम दल के नेताओं से वैचारिक जुड़ाव की चर्चा की तथा उनकी जयंती पर भारतीय भाषा उत्सव मनाए जाने की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि माणिक मृगेश ने भारतीय भाषाओं के पारस्परिक संबंधों और शब्दों के आदान-प्रदान पर चर्चा की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने भारतीय भाषाओं के संबंध को राष्ट्रीय एकता की मज़बूत कड़ी कहा। उन्होंने भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने के प्रयासों की चर्चा की तथा सभी भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय कविताओं के संकलन का सुझाव दिया। भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लविंद्र सिंह लबाना ने एवं आभार डॉ मिनेश डामोर ने व्यक्त किया। अलग-अलग भाषा भाषी विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

...o@cug.ac.in
...संपर्क अधिकारी
...ic Relations Officer
...त केन्द्रीय विश्वविद्यालय
...ntral University of Gujarat

संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा

सन् : 1992

गुजरात वैभव

अहमदाबाद** रविवार, 1 दिसंबर, 2024 वर्ष 33, अंक 17, पृष्ठ-12

मूल्य-रु 3/-

Registration No-54924/92.

gujaratvaibhav.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गिरिधर मालवीय को श्रद्धासुमन किए अर्पित

अहमदाबाद। महामना मालवीय मिशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय को महामना मालवीय मिशन गुजरात इकाई द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इकाई अध्यक्ष रणजीत झा, सचिव रविशंकर ओझा, सीए

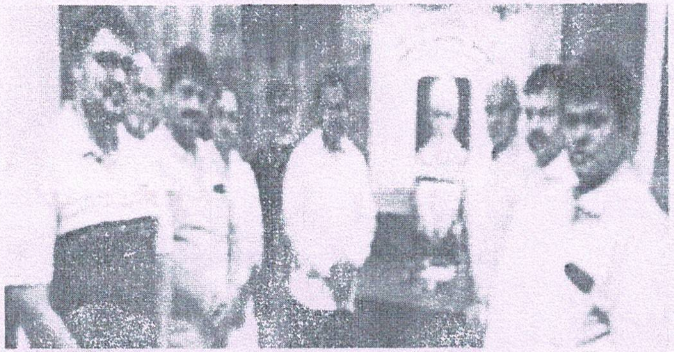

नितेश संघवी, रामकृष्ण शुक्ला, भावना श्रीवास्तव, देवशरण साधू, गोलक मिश्रा समेत दो दर्जन से ज़्यादा सदस्यों ने भाग लिया। स्व. गिरिधर मालवीय पीएम मोदी के काफ़ी करीबी थे और वाराणसी संसदीय क्षेत्र से दो बार उनके प्रस्तावक रहे। इस अवसर पर मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने स्व. गिरिधर मालवीय जी के साथ बिताए हुए क्षण एवं अनेक घटनाओं के बारे में बताया।

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गिरिधर मालवीय को श्रद्धासुमन किए अर्पित

■ *संजीवनी टुडे*

अहमदाबाद। महामना मालवीय मिशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय को महामना मालवीय मिशन के कर्णावती कार्यालय में गुजरात इकाई द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए इकाई अध्यक्ष रणजीत झा, सचिव रविशंकर ओझा, सीए नितेश संघवी, रामकृष्ण शुक्ला, भावना श्रीवास्तव, देवशरण साधू, गोलक मिश्रा समेत दो दर्जन से ज़्यादा सदस्यों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि स्व. गिरिधर मालवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ़ी करीबी थे और वाराणसी संसदीय क्षेत्र से दो बार उनके प्रस्तावक रहे। इस अवसर पर मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने स्व. गिरिधर मालवीय के साथ बिताए हुए क्षण एवं अनेक घटनाओं के बारे में बताया।

विश्वास आपका, साथ हमारा....

समाचार जगत

गिरिधर मालवीय को श्रद्धासुमन किए अर्पित

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

अहमदाबाद, समाचार जगत ब्यूरो. महामना मालवीय मिशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय को महामना मालवीय मिशन के कर्णावती कार्यालय में गुजरात इकाई द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए इकाई अध्यक्ष रणजीत झा, सचिव रविशंकर ओझा, सीए नितेश संघवी, रामकृष्ण शुक्ला, भावना श्रीवास्तव, देवशरण साधु, गोलक मिश्रा समेत दो दर्जन से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि स्व. गिरिधर मालवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी करीबी थे और वाराणसी संसदीय क्षेत्र से दो बार उनके प्रस्तावक रहे।

इस अवसर पर मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने स्व. गिरिधर मालवीय जी के साथ बिताए हुए क्षण एवं अनेक घटनाओं के बारे में बताया।

सहज सरल व्यक्तित्व ही विनम्र होता है और यही विनम्रता सहजानंद की सृष्टि करती है महास्थविर शांति मुनि
जयपुर ▪ दिल्ली से प्रकाशित
बिज़नेस रेमेडीज
राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | व्यापार एवं विकास की आवाज़ | मूल्य : 3 रुपए । पेज : 8 दैनिक

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गिरिधर मालवीय को श्रद्धासुमन अर्पित

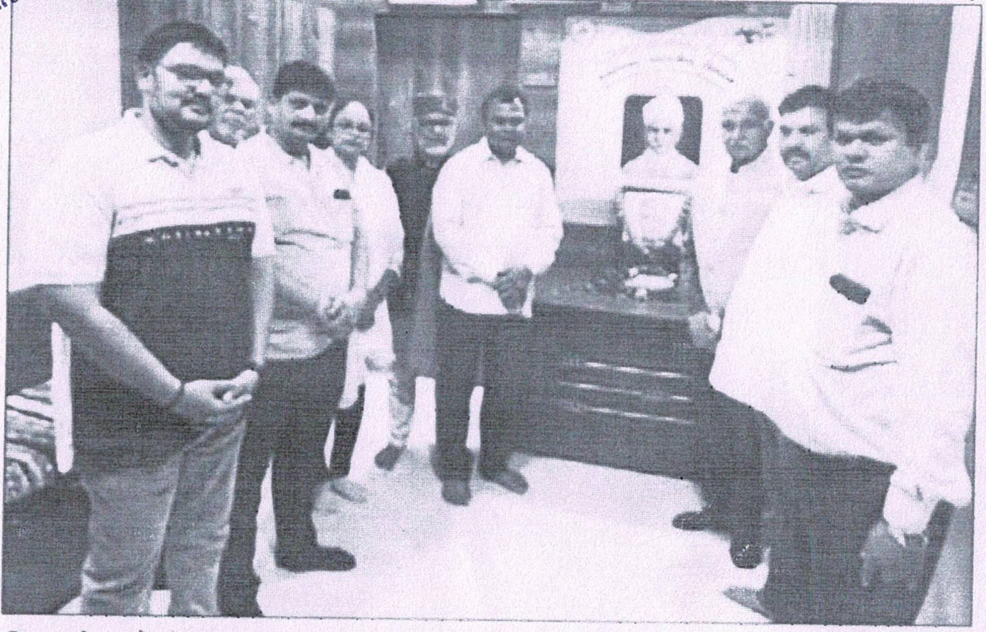

बिज़नेस रेमेडीज/अहमदाबाद

महामना मालवीय मिशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय को महामना मालवीय मिशन के कर्णावती कार्यालय में गुजरात इकाई द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए इकाई अध्यक्ष रणजीत झा, सचिव रविशंकर ओझा, सीए नितेश संघवी, रामकृष्ण शुक्ला, भावना श्रीवास्तव, देवशरण साधू, गोलक मिश्रा समेत दो दर्जन से ज़्यादा सदस्यों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि स्व. गिरिधर मालवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ़ी करीबी थे और वाराणसी संसदीय क्षेत्र से दो बार उनके प्रस्तावक रहे। इस अवसर पर मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने स्व. गिरिधर मालवीय जी के साथ बिताए हुए क्षण एवं अनेक घटनाओं के बारे में बताया।